मुख्य परीक्षा

प्रश्न- पशुपालन को बढ़ावा देकर ग्रामीण विकास को उल्लेखनीय गति दी जा सकती हैं। ग्रामीण विकास में पशुपालन के महत्व को स्पष्ट करते हुए सुझाव दें कि इस क्षेत्र को किस प्रकार बढ़ावा दिया जा सकता है?

(200 शब्द)

मॉडल उत्तर

दृष्टिकोण:
- भूमिका में पशुपालन को बढ़ावा देकर ग्रामीण विकास को उल्लेखनीय गति दी जा सकती है। चर्चा करें।
- अगले पैरा में ग्रामीण विकास में पशुपालन की महत्व को बतायें।
- दूसरे पैरा में पशुपालन को ग्रामीण विकास के क्षेत्र में किस प्रकार बढ़ावा दिया जा सकता है? चर्चा करें।
- अंत में संतुलित निष्कर्ष दें।

उत्तर- भारत कृषि प्रधान देश है और पशुपालन एक कृषि-संबद्ध क्रियाकलाप है। यह सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने, गरीबी निवारण, महिला सशक्तीकरण और ग्रामीण विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भारत में ग्रामीण विकास में पशुपालन का महत्व-

- यह ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविकास का प्रमुख आधार है। विशेषकर भूमिहीन और सीमांत किसान पशुपालन के माध्यम से अपनी परिवारिक आय बढ़ा सकते हैं।
- पशुपालन और कृषि आपस में जुड़ी हुई प्रक्रियाएँ हैं। पशुओं के लिए भोजन कृषि से प्राप्त होता है तो पशु भी कृषि को विभिन्न प्रकार की आगतें, जैसे- खाद्य, ढुलाई आदि प्रदान करते हैं।
- पशुपालन से ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी तथा छिपी हुई बेरोजगारी की समस्या का निवारण किया जा सकता है।
- पशुपालन में अधिकतर महिलाएँ संलग्न होती है। अतः यह श्रम क्षेत्र में महिला भागीदारी को बढ़ावा देकर महिला सशक्तिकरण में योगदान देता है।

भारत में पशुपालन क्षेत्र में निम्न वृद्धि दर एवं कम उत्पादकता देखते हुए इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित उपाय किये जाने की आवश्यकता है-

- पशुओं के नस्ल सुधार के लिए कृत्रिम गर्भाधान से जुड़ी अवसंरचनाओं को मजबूत करना चाहिये।
- पशुओं के स्वास्थ्य सुधार के लिए उत्तम गुणवत्ता एवं पर्याप्त पोषक तत्वों से युक्त चारा, उनके टीकाकरण एवं संक्रमण के समय नैदानिक सुविधाओं की व्यवस्था करनी चाहिये।
- पशुपालन क्षेत्र के विकास के लिए इस क्षेत्र को पर्याप्त ऋण सुविधाएँ उपलब्ध करानी चाहिये।
- पशु उत्पादों के प्रसंस्करण, भंडारण, डेयरी तक पहुँच आदि को बढ़ावा देना चाहिये।
- बूचड़खानों का आधुनिकीकरण तथा इनकी कार्यप्रणाली का नियमन करना चाहिये।